न्यूज डायरी

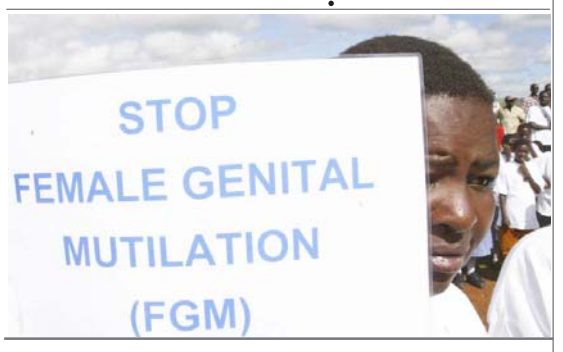

सूडान की नई तस्वीरः महिलाओं के खतने पर प्रतिबंध का कानून आया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सूडान। सूडान में करीब 30 साल तक कट्टर इस्लामिक शासन रहा। पिछले साल बड़े आंदोलन के बाद उमर अल–बशीर के शासन को उखाड़ फेंका गया। अब वहां की अंतरिम सरकार देश को प्रगतिशील बनाने की राह पर चल पड़ी है। अप्रैल के महीने में महिलाओं के खतने को अपराध करार देने के बाद इसे लेकर कानून बना लिया गया है। इसके साथ ही सरकार दूसरे नए कानून भी लाई है, जिनमें गैर–मुस्लिमों को शराब पीने का अधिकार, इस्लाम त्यागने का अधिकार, महिलाओं को बिना पुरुष रिश्तेदारों के सफर करने का अधिकार दिए गए हैं। इनके बारे में जानकारी देते हुए देश के न्याय मंत्री नसरुद्दीन अब्दुलबरी ने कहा कि ऐसे सभी कानूनों को खत्म किया जा रहा है जिनसे मानवाधिकार उल्लंघन होता है।

न्यूजीलैंड की मस्जिदों में गोलीबारी करने वाला व्यक्ति अदालत में स्वयं करेगा अपना प्रतिनिधित्व

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की दो मस्जिदों में गोलीबारी करके 51 लोगों की हत्या का दोष स्वीकार करने वाले ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति ने अपने वकीलों की सेवाएं लेने से इनकार कर दिया है और वह अगले महीने सजा सुनाए जाने के दौरान अदालत में अपना प्रतिनिधित्व स्वयं करेगा। श्वेत लोगों को सर्वश्रेष्ठ समझने वाले ब्रेंटन हैरिसन टारंट ने क्राइस्ट चर्च में 2019 में गोलीबारी कर आंतकवादी गतिविधि में शामिल होने, 51 लोगों की हत्या करने और 40 लोगों की हत्या की कोशिश करने का अपराध मार्च में स्वीकार किया था। कोरोना वायरस महामारी की वजह से उसे सजा सुनाने वाली सुनवाई में विलंब हुआ है। अब यह सुनवाई 24 अगस्त को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। तारीख की पुष्टि सोमवार को क्राइस्टचर्च के हाई कोर्ट ने की। टारंट के वकीलों शैन टेट और जोनाथन हडसन ने अदालत को बताया कि टारंट ने उन्हें हटने का निर्देश दिया है क्योंकि वह खुद ही अपना प्रतिनिधित्व करने के अधिकार का इस्तेमाल करना चाहता है।

सैन डिएगो में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत में आग लगने से 21 जख्मी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लॉस एंजेलिस। कैलिफोर्निया में स्थित नेवल बेस सैन डिएगो में अमेरिकी नौसेना के एक जहाज में आग लगने से 17 नाविकों और चार नागरिकों सहित कुल 21 लोग घायल हो गए हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रविवार की रिपोर्ट में बताया कि नेवल सरफेस फोर्सेस, यूएस पैसिफिक फ्लीट के अनुसार, यूएसएस बोनहोमे रिचर्ड के बोर्ड में आग लगने के बाद घायल हुए लोगों का इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जख्म जानलेवा नहीं हैं। नेवल सरफेस फोर्सेस ने ट्वीट किया, पूरा क्रू जहाज से बाहर निकाल लिए गए हैं और सभी ठीक हैं। ट्वीट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 8.30 बजे जब आग लगी, तब जहाज पर करीब 160 नाविक सवार थे। आग लगने का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं हुआ है।

पाकिस्तान में एक और हिंदू लड़की का अपहरण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू, सिख और ईसाई अल्पसंख्यकों पर धार्मिक अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। धर्म परिवर्तन के लिए बदनाम सिंध प्रांत के मीरपुर खास से एक नाबालिग हिंदू लड़की मोमल भील का धार्मिक अतिवादियों ने अपहरण कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस लड़की का जबरन धर्म परिवर्तन कर निकाह करवाने की तैयारी की जा रही है। वायस ऑफ पाकिस्तान मॉइनरिटी के अनुसार, 12 साल की मोमल भील का कट्टर इस्लामी अतिवादियों ने घर से अपहरण कर लिया। परिवार वालों ने जब पुलिस को सूचना दी तो उन्होंने ने भी कुछ नहीं किया। थक हारकर परिवार अब भगवान भरोसे है क्योंकि इन अतिवादियों के आगे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय कुछ नहीं कर सकता। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए बदनाम सिंध में यह पहली घटना नहीं है।

चीन–ईरान में 400 अरब डॉलर की महाडील

अमेरिका के दबाव की वजह से ईरान के साथ भारत के रिश्ते नाजुक दौर में

झटका

- अमेरिका–भारत की बढ़ेंगी मुश्किलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान/पेइचिंग। पश्चिम एशिया में अमेरिका के साथ चल रही तनातनी के बीच ईरान और चीन जल्द ही एक महाडील पर समझौता कर सकते हैं। इसके तहत चीन ईरान से बेहद सस्ती दरों पर तेल खरीदेगा, वहीं इसके बदले में पेइचिंग ईरान में 400 अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है। यही नहीं ड्रैगन ईरान की सुरक्षा और घातक आधुनिक हथियार देने में भी मदद करेगा। चीन अगर अपने मकसद में कामयाब हो जाता है तो यह न केवल अमेरिका बल्कि भारत के लिए भी बड़ा झटका साबित हो सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और चीन के बीच 25 साल के रणनीतिक समझौते पर बातचीत पूरी हो गई है। हालांकि अभी इसे ईरान की संसद मजलिस से मंजूरी नहीं मिली है। इस डील के 18 पन्ने के दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन बहुत कम दाम में अगले 25 साल तक ईरान से तेल खरीदेगा। इसके बदले में चीन बैंकिंग, आधारभूत ढांचे जैसे दूरसंचार, बंदरगाह, रेलवे, और ट्रांसपोर्ट आदि में निवेश करेगा।

25 साल तक 400 अरब डहलर का निवेशः माना जा रहा है कि इस डील के बाद ईरान की चीन के जीपीएस कहे जाने वाले बाइदू तक पहुंच हो जाएगी। यही नहीं चीन ईरान में 5ळ सर्विस शुरू करने में मदद कर सकता है। चीन ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। मई 2018 में परमाणु डील से अमेरिका के हटने के बाद ईरान बुरी तरह से अमेरिकी प्रतिबंधों की मार झेल रहा है। इससे उसका तेल निर्यात बहुत कम हो गया है। चीन के साथ डील के बाद उसे अगले 25 साल तक 400 अरब डॉलर का निवेश मिल सकता है।

चीन–ईरान डील में सैन्य सहयोग जैसे हथियारों का विकास, संयुक्त ट्रेनिंग और खुफिया सूचनाओं की ट्रेनिंग भी शामिल है जो आतंकवाद, मादक पदार्थों और इंसानों की तस्करी तथा सीमापार अपराधों को रोकने के लिए होगा। बता दें कि इस समय ईरान और चीन दोनों की ही अमेरिका से तनातनी चल रही है। ईरान से जहां अमेरिका का परमाणु कार्यक्रम को लेकर गतिरोध चल रहा है, वहीं चीन के साथ ट्रंप प्रशासन का कई मुद्दों पर वॉर चल रहा है।

अमेरिका ने आरोप लगाया है कि चीन बौद्धिक संपदा अधिकार की चोरी कर रहा है और वहां पर बिजनस करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर जब तकनीक के हस्तांतरण का दबाव डाल रहा है। इस समझौते में कहा गया है कि ईरान और चीन दो प्राचीन एशियाई संस्कृतियां हैं, व्यापार, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति और सुरक्षा के क्षेत्र में दो भागीदार हैं। साथ ही दोनों देशों का कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय हितों पर एक समान विचार है और अब एक अन्य रणनीतिक भागीदारी पर विचार करेंगे।

भारत से दोस्ती की आड़ में शी जिनपिंग ने घोपा छुरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लद्दाख में घुसपैठ के दिए थे आदेश

पेइचिंग। लद्दाख में भारतीय इलाकों में घुसपैठ को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मई में घुसपैठ से कई महीने पहले ही इसके आदेश दिए थे और पूरी तैयारी के बाद चीनी सैनिकों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश की। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने भी अपनी एक रिपोर्ट में कहा भी था कि शी जिनपिंग ने नए साल की शुरुआत में अपने पहले आदेश में सैन्य प्रशिक्षण के लिए सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया था।

द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय इलाकों गलवान घाटी, पेंगांग झील और एलएसी से लगे अन्य इलाकों में चीन के कदम कई महीनों की तैयारी के बाद उठाए गए थे। यह तैयारी शी जिनपिंग के जनवरी में दिए आदेश के बाद की गई। यह तैयारी इतनी रणनीति के साथ की गई कि चीन ने एक साथ कई मोर्चों पर अपने सैनिकों की तादाद बढ़ा दी। इसकी वजह से चीन और भारत के सैनिकों के बीच झड़प हुई और इसमें 20 भारतीय जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे।

भारतीय अधिकारियों का मानना है कि इन घटनाओं का समय यह दर्शाता है कि उच्च स्तर पर समन्वय और प्लानिंग की गई थी।

वेक द्वीप सैन्य अड्डे को आधुनिक बना रहा यूएस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। चीन के खतरे से निपटने के लिए अमेरिका अब अपने द्वितीय विश्वयुद्ध के समय के नौसैनिक अड्डे को आधुनिक बनाने में जुट गया है। अमेरिका प्रशांत महासागर में स्थित अपने वेक द्वीप पर बने नेवल बेस को आधुनिक बनाने में जुट गया है। यह द्वीप अमेरिका के हवाई और जापान के बीच में स्थित है। अमेरिका अपने गुआम में बने नेवल बेस और वेक द्वीप पर बने नेवल बेस से चीन और उत्तर कोरिया की हर हरकत पर नजर रख सकेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के समय वेक द्वीप समूह जापान और अमेरिका के बीच भीषण युद्ध का गवाह बना था। यह प्रशांत महासागर में अमेरिका की एक रणनीतिक पोस्ट है जहां नौसैनिक आराम करते हैं और तेल तथा रिपेयर कराते हैं।

रूस में पुतिन का जोरदार विरोध, इस्तीफे की मांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस के सुदूरवर्ती इलाके में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इस इलाके के बेहद लोकप्रिय गवर्नर की गिरफ्तारी के बाद हजारों स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए हैं और पुतिन के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी पुतिन इस्तीफा दो के नारे लगा रहे हैं और स्थानीय गवर्नर सर्गेई फुरगाल की रिहाई की मांग कर रहे हैं। गवर्नर को कई हत्याओं के संदेह में अरेस्ट किया गया है।

ये विरोध प्रदर्शन चीन से सटे सीमाई इलाके खबरोव्स्क और कई अन्य कस्बों में हुए हैं। वर्ष

2036 तक पुतिन के सत्ता में बने रहने का रास्ता साफ होने के बाद रूसी सुरक्षा सेवा के लोगों ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। बताया जा रहा है कि पुतिन समर्थक उम्मीदवार को हराकर सर्गेई वर्ष 2018 में सत्ता में आए थे। अब उनके खिलाफ अब तक सबसे बड़ा तलाशी अभियान चलाया गया है।

पत्रकार को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कियाः इससे पहले पिछले हफ्ते एक प्रसिद्ध रक्षा पत्रकार को कथित तौर पर चेक गणराज्य के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यही नहीं मानवाधिकार कार्यकर्ता मिखाइल खोदोरकोवस्की के घर पर छापा मारा गया था। मिखाइल ने संविधान के खिलाफ प्रदर्शन की योजना बनाई थी। पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरफ्तारी इस बात का इशारा करती है कि पुतिन ने खेल करके वोट हासिल किए हैं और ये कभी भी उनके लिए संकट का सबब बन सकता है।

पुतिन प्रशासन के लोगों का कहना है कि जनमत संग्रह में जनता ने उन पर जोरदार भरोसा जताया है।

भारतीय सीमा, दक्षिण चीन सागर और हांगकांग में चीनी कार्रवाई 'उकसाने, अस्थिर करने वाली'

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व शीर्ष राजनयिक ने भारत के साथ लगने वाली सीमा के पास और दक्षिणी चीन सागर, ताइवान जलडमरूमध्य तथा हांगकांग में चीन की हालिया कार्रवाई को "उकसाने एवं अस्थिर करने वाली" बताया है। पांच मई के बाद से आठ हफ्ते से ज्यादा वक्त तक पूर्वी लद्दाख के विभिन्न स्थानों पर भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच गतिरोध बना हुआ है। गलवान घाटी में हिंसक झड़प होने के बाद दोनों देश के बीच तनाव कई गुना बढ़ गया था। इस झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे।

चीनी पक्ष की तरफ भी सैनिक हताहत हुए थे लेकिन उसने अभी तक इसके ब्योरे उपलब्ध नहीं कराए हैं। दोनों पक्ष ने तनाव कम करने के लिए पिछले कुछ हफ्तों में कई चरण की कूटनीतिक एवं सैन्य वार्ताएं की हैं। पूर्वी लद्दाख में तनाव करीब दो महीने पहले बढ़ गया था जब करीब 250 चीनी एवं भारतीय सैनिकों के बीच पांच और छह मई को हिंसक आमना–सामना हुआ था। पेगोंग सो में हुई घटना के बाद इसी तरह की घटना नौ मई को उत्तरी सिक्किम में भी हुई।